उन्नत भारत अभियान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

08 मार्च, 2021

एक दिवसीय
कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
कोरोना काल एवं आत्मनिर्भर भारतः महिलाओं की भूमिका

आयोजन कर्ता

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय,
लखनऊ

Report

उन्नत भारत अभियान सेल ने 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला किसानों के लिए "कोरोना काल एवं आत्मनिर्भर भारत: महिलाओं की भूमिका" पर एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जेंडर चैंपियंस कमेटी, महिलाओं के लिए मूलभूत सुविधाओं की समिति और एनसीसी इकाई के सहयोग से किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम फलों और सब्जियों के उत्पादों, कृषि में आईसीटी के उपयोग और जैविक उर्वरक की तैयारी के विषय पर किया गया था। यह कार्यक्रम उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए गांवों (औरवा, चकोली, दादूपुर, रामचौरा और मीरानपुर पिनवट) की महिला किसानों के लिए आयोजित किया गया था। इन गांवों से बड़ी संख्या में महिला किसान इस कार्यक्रम में शामिल हुईं और कृषि से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सरोजनी नगर ब्लॉक के एडीओ श्री निशांत राय और बीडीओ, श्री वीरेन्द्र कुमार वर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

उन्नत भारत अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. नवीन कुमार अरोरा ने महिलाओं को जैविक खेती और इसके लाभों के बारे में बताया और यह भी बताया कि यदि महिला किसान इस दिशा में प्रशिक्षण या अन्य सहायता चाहती हैं, तो वे हमसे संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा, जिसमें हम जैविक खेती का प्रशिक्षण देंगे और जैविक खाद बनाने की तकनीक भी सिखाएंगे। उन्होंने खेती के लिए महिलाओं को जैविक खाद उपलब्ध कराने की भी बात की। प्रो.नवीन अरोड़ा के शोधछात्रों ने महिलाओं को जैविक उर्वरकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और भूमि पर जैविक उर्वरक का उपयोग करने की तकनीक और प्रभावों के बारे में बताया। इसके अलावा, उन्होंने जैविक खेती के माध्यम से तैयार उत्पादों की बिक्री से होने वाले लाभों और इसके लिए उपलब्ध सरकारी सहायता के बारे में भी बताया।

डॉ. आर एस वर्मा ने महिला किसानों को कोको पीट के माध्यम से बीज के अंकुरण की प्रक्रिया की जानकारी दी और कहा कि इस तरह से कम लागत में अधिक उत्पादकता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने महिलाओं को व्यावसायिक उद्देश्य के लिए मौसमी फल, सब्जियां और फूलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया और तैयार उत्पाद की बिक्री में उनका समर्थन करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने महिलाओं को खेती में व्यवसाय की संभावनाओं और इससे बने अन्य उत्पादों के बारे में भी जागरूक किया।

प्रो. शिल्पी वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। हमारे विश्वविद्यालय और हम सभी का उद्देश्य उन महिलाओं को आगे लाना है जो विभिन्न समूहों में काम कर रही हैं और आगे बढ़ने के लिए उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा, जिसमें न केवल सूचना प्रौद्योगिकी और खेती से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा, बल्कि योग और चिकित्सा शिविर भी लगाए जाएंगे। इसके साथ ही, उन्होंने महिला किसानों की मदद करने के लिए

विश्वविद्यालय में स्टार्ट अप शुरू करके उनके द्वारा तैयार उत्पादों के लिए बाजार में जगह उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया।

डॉ. राज श्री ने व्यापार में सूचना संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसान महिलाओं को एकीकृत किसान सेवा मंच, किसान हेल्पलाइन नंबर और अन्य सरकारी सुविधाओं के बारे में बताया जो सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में सूचना प्रौद्योगिकी हर दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण हो गई है, इसके माध्यम से हम हर तरह का समर्थन प्राप्त कर सकते हैं, चाहे वह कृषि से संबंधित समस्या हो या अपनी कृषि उपज बेचने से संबंधित कोई भी सहायता प्राप्त करना।

प्रो. यू.वी. किरण ने महिलाओं को एनीमिया के कारण और इसे दूर करने के उपायों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह समस्या केवल हरी सब्जियों के सेवन से हल नहीं होगी, बल्कि इसके साथ ही हमें विटामिन सी का भी सेवन करना होगा।

डॉ. रचना गंगवार ने महिलाओं को बताया कि हम सभी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी को जानना आवश्यक है। साथ ही, उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित किया। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के महत्व को बताते हुए, उन्होंने कहा कि इस देश की आधी आबादी महिलाओं की है और अगर यह आधी आबादी आगे आएगी और खुद को व्यवसाय और रोजगार के क्षेत्र में स्थापित करेगी, तभी देश का विकास होगा ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 महिला किसान उपस्थित थीं और उन्होंने अपने बहुमूल्य सुझाव दिये।

Some Glimpses of the program:






अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में
एक दिवसीय
कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
महिलाओं की आधारभूत सुविधाओं की समिति,
उन्नत भारत अभियान
8 मार्च 2021


एक दिवसीय
8 मार्च 2021


मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन
शान हो, सम्मान हो
अभिमान हो




अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में


मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन
शान हो, सम्मान हो

Newspaper Coverage

महिलाओं को दी गई आत्मनिर्भर बनने की जानकारी

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सोमवार को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिलाओं की आधारभूत सुविधाओं की समिति, उन्नत भारत अभियान, जेंडर चैंपियन समिति एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम कोरोना काल एवं आत्मनिर्भर भारत: महिलाओं की भूमिका विषय पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 5 गांव औरांव, चकोली, मीरानपुर पिनवट, रामचौरा, दादूपुर की महिलाओं के लिए सरोजनी नगर ब्लॉक लखनऊ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गांव की महिला किसान बड़ी संख्या में जुड़ी और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में वे क्या प्रयास कर सकती हैं, इसके बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सरोजनी नगर ब्लॉक के बीडीओ निशांत राय तथा एडीओ वीरेंद्र कुमार वर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं महिलाएं

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिलाओं की आधारभूत सुविधाओं की समिति, उन्नत भारत अभियान, जेंडर चैंपियन समिति एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कोरोना काल एवं आत्मनिर्भर भारतः महिलाओं की भूमिका विषय पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 5 गांव औरांव, चकोली, मीरानपुर पिनवट, रामचौरा, दादूपुर की महिलाओं के लिए सरोजनी नगर ब्लॉक, लखनऊ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गांव की महिला किसान बड़ी संख्या में जुड़ी और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में वे क्या प्रयास कर सकती हैं, इसके बारे में जानकारी प्राप्त की। डॉ0 आर एस वर्मा ने कोकोपीट के माध्यम से बीज के अंकुरण की प्रक्रिया के बारे में महिलाओं को जानकारी दी और बताया कि इस तरह से कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

बीबीएयू : बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम कोरोना काल एवं आत्मनिर्भर भारतः महिलाओं की भूमिका विषय पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांच गांव औरांव, चकोली, मीरानपुर पिनवट, रामचौरा, दादूपुर की महिलाओं के लिए सरोजनी नगर